सभी घायलों को दी जाएगी एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता

दिवंगत के परिजन को संबल योजना से भी दिये जाएंगे 4-4 लाख रुपये : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिन्दवाडा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले में गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए नागरिकों के परिजन से भेंट कर उन्हें सांत्वना प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना पीड़ादायक है। मध्यप्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों के संकट की घड़ी में उनके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़क दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इन परिवारों को संबल योजना की 4 लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जायेगी। साथ ही दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को भी आवश्यक सहायता और निःशुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना में सभी घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जायेगी।

डॉ. यादव 3 ग्रामों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिले के ग्राम करेर तहसील मोहखेड़ की श्रीमती सिया पति श्री कृष्णा इनवाती, श्री रामदास पिता श्री सुकलू पराने, श्री दौलत पवार, श्रीमती भागवती पति श्री दान सिंह और श्रीमती शकुन पत्नी श्री लखीचन्द्र यादव के निवास जाकर मुलाकात की। ग्राम करेर में प्रभावित परिवारों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ग्राम ग्वारा और ग्राम झिरिया पहुंचे। उन्होंने यहां प्रभावित परिवारों के सदस्यों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और संबल प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवार के सदस्यों से चर्चा कर कहा कि दुख की इस घड़ी में मध्यप्रदेश सरकार आपके साथ है। आपको हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

प्रभारी मंत्री सिंह ने पुनः जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हालचाल

प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं छिंदवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह ने सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों की स्थिति का जायजा लेने हेतु आज प्रातः पुनः जिला अस्पताल छिंदवाड़ा पहुंचकर घायलों से मुलाकात की। उन्होंने चिकित्सकों से उपचार संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए बेहतर से बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने अस्पताल में भर्ती घायलों से चर्चा कर उनका हौसला बढ़ाया और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी और उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह दुर्घटना की सूचना मिलते ही गत रात्रि देर से ही जिला अस्पताल पहुंच गए थे और तभी से पूरे घटनाक्रम एवं घायलों के उपचार की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने पीड़ितों एवं उनके परिजनों से मिलकर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगतों की आत्मा की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

जिला अस्पताल में उपचाररत घायलों के जाने हाल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में गुरूवार को हुई सड़क दुर्घटना के घायल व्यक्तियों से भेंट की और उनके स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चिकित्सकों को सभी घायलों की समुचित चिकित्सा के निर्देश दिए। उन्होंने अब तक किए गए उपचार की जानकारी ली और निर्देश दिए कि आवश्यकता पड़ने पर घायलों को नागपुर अथवा अन्य उच्च चिकित्सा संस्थानों में भेजने की व्यवस्था की जाए। राज्य सरकार घायलों के निःशुल्क उपचार के लिए कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अन्य जगह रेफर किए जाने की स्थिति में भी राज्य सरकार पूर्ण सहयोग करेगी।

सहयोग करने वाले जवानों को किया जायेगा पुरस्कृत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिला प्रशासन, नागरिकों और पुलिस बल के उन जवानों की सराहना की, जिन्होंने दुर्घटना के बाद सभी स्थितियों को कुशलतापूर्वक सम्हाला। उन्होंने उन पुलिस जवानों को पुरस्कृत करने की घोषणा की, जिन्होंने घायलों की पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से सहायता की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रामनवमी के पहले से निर्धारित सतना जिले के चित्रकूट के विभिन्न कार्यक्रमों को निरस्त कर छिंदवाड़ा में प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे।

कांग्रेस ने कहा दिवंगत परिवार के सदस्यों को 1-1 करोड़ सहायता राशि व शासकीय नौकरी दे सरकार

उमरानाला चौकी क्षेत्र के ग्राम चिखली के समीप हुई भीषण सड़क दुर्घटना में असमय जान गंवाने वालों के परिजनों का दुख, दर्द बांटने के लिए जिला कांग्रेस परिवार के सदस्यगण शोकाकुल परिवारजनों के बीच पहुंचे। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी की मंशानुसार कांग्रेसजन प्रत्येक परिवार के दुख का हिस्सा बनें। शोक संतप्त परिवारजनों को संबल दिया और ढांढस बंधाया साथ ही पूर्णतः अश्वस्त भी कराया कि कांग्रेस उनके साथ हर-दुख, दर्द में हमेशा ही तरह आज भी खड़ी है और आगे भी खड़ी रहेगी। कांग्रेस ने कहा कि सीएम के कार्यक्रम में लोगों को लाया गया था, जान चली गई और अब सीएम दिखावे की राजनीति कर रहे। प्रत्येक दिवंगत परिवार के सदस्यों को 1-1 करोड़ सहायता राशि व शासकीय नौकरी दी जाए। विदित हो कि गत दिवस पुलिस लाइन में आयोजित मुख्यमंत्री की सभा के लिए मोहखेड़ ब्लॉक से एक यात्री बस से आमजन को छिन्दवाड़ा लाया गया था। सभा के उपरांत लौटते समय एक मालवाहक वाहन एवं यात्री बस के बीच हुई दुर्घटना में 10 लोगों की मृत्यु हो गई। अनेक लोग घायल है जिनका जिला अस्पताल में इलाज जारी है और अति गम्भीरों को नागपुर रैफर किया गया है। दुर्घटना की सूचना प्राप्त होते ही कांग्रेस परिवार के सदस्य जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों के इलाज के लिए व्यवस्था बनाने में जुट गए।

प्रत्येक शोकाकुल परिवार के बीच पहुंचा कांग्रेस परिवार: माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी की मंशानुसार जिला कांग्रेस परिवार के सदस्यों ने सुबह जिला अस्पताल पहुंचकर पीएम की कार्रवाई में सहयोग प्रदान किया। जिसके पश्चात प्रत्येक शोकाकुल परिवार के बीच पहुंचे और इस वज्रपात की तरह टूटे दुख को सहन करने संबल दिया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओकटे, जामई विधायक श्री सुनील उइके, चौरई विधायक श्री सुजीत चौधरी, सौंसर विधायक श्री विजय चौरे व पांढुर्ना विधायक श्री निलेश उइके शोकाकुल परिवारों के बीच पहुंचे, अंतिम यात्रा में सम्मिलित हुए।

इनकी गई जान

मोहखेड़ ब्लॉक के ग्राम करेर निवासी 45 वर्षीय दिवंगत श्रीमती भागवती पति दानसिंग विश्वकर्मा, 45 वर्षीय श्रीमती सुकून पति लीकचंद यादव, श्रीमती सिया पति कृष्णा इनवाती 40, दौलत पिता फकीर फरकारे 40, रामदास पिता सुकलू पराने 40 सभी निवासी ग्राम करेर। मोहखेड़ ब्लॉक के ग्राम ग्वारी निवासी 57 वर्षीय रमेश पिता फागलाल उइके, ग्राम झिरिया निवासी रवि पिता इठोबा वानखेड़े, बिछुआ ब्लॉक के ग्राम झमटा निवासी 40 वर्षीय रवि पिता रतिराम धारे, अमरवाड़ा निवासी वर्तमान सोनपुर निवासी वंश पिता मोनू डेहरिया 7 वर्ष एवं कमल पिता संतलाल डेहरिया 54 वर्ष निवासी शिवनगर कॉलोनी पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पीछे छिन्दवाड़ा के निवास पर पहुंचे।

छिंदवाड़ा में कस्टम हायरिंग केंद्र संचालिका अरूणा भलावी को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

छिंदवाड़ा। जिले में कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कस्टम हायरिंग केंद्र संचालिका अरूणा भलावी को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें किसानों को आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराने और खेती को सरल व लाभकारी बनाने में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया गया।कस्टम हायरिंग केंद्र के माध्यम से संचालिका क्षेत्र के किसानों को किराए पर आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध करा रही हैं, जिससे छोटे और सीमांत किसानों को काफी लाभ मिल रहा है। महंगे उपकरण खरीदने में असमर्थ किसान अब आसानी से इन संसाधनों का उपयोग कर अपनी खेती को उन्नत बना रहे हैं।मुख्यमंत्री ने सम्मान समारोह के दौरान उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के केंद्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अन्य किसानों और महिलाओं से भी इस दिशा में आगे आने का आह्वान किया।इस उपलब्धि से जिले में खुशी का माहौल है। स्थानीय किसानों ने भी संचालिका के कार्य की प्रशंसा करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया है। यह सम्मान न केवल उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि जिले में कृषि नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम भी है।

भक्ति के रंग में रंगा हनुमान लोक

सौंसर। विश्व प्रसिद्ध चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर 'हनुमान लोक' जामसांवली धाम में आज से हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सात दिवसीय भव्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक महोत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक डेकोरेशन और मनमोहक पुष्प सज्जा से अलंकृत किया गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।इस सात दिवसीय महोत्सव की औपचारिक शुरुआत 26 मार्च को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कर-कमलों द्वारा की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सपत्नीक पहुंचकर पूजन किया और क्षेत्र को हनुमान लोक के द्वितीय चरण व मानसिक रोगियों के उपचार हेतु 10 बेड के अस्पताल की महत्वपूर्ण सौगात दी। आगामी दिनों में जामसांवली धाम में आध्यात्मिक ऊर्जा का अनूठा संगम देखने को मिलेगा, चमत्कारिक हनुमान मंदिर ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने बताया कि 28 मार्चः श्रद्धेय विवेक महाराज द्वारा 'हनुमान चरित्र' पर आध्यात्मिक प्रबोधन (शाम 7:30 बजे से देंगे, 29 मार्च से 2 अप्रैल तक जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के मुखारविंद से प्रतिदिन दोपहर 3 से 6 बजे तक 'दिव्य रामकथा' का वाचन होंगा, 31 मार्च को संत रसराज महाराज के सानिध्य में 11 हजार श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक सुंदरकांड पाठ किया जाएगा,1 अप्रैल को प्रख्यात भजन गायिका स्वस्ति मेहुल द्वारा भजनों की प्रस्तुति (रात 8:30 बजे से होंगी, 2 अप्रैल (हनुमान जन्मोत्सव) पर मध्यरात्रि 2 बजे वाराणसी के विद्वान पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रभु का महाअभिषेक संपन्न होगा। हनुमान लोक के विस्तार और अस्पताल की सौगात मिलने पर मंदिर संस्थान अध्यक्ष गोपाल शर्मा, कलेक्टर एवं न्यास प्रबंधक नीरज कुमार वशिष्ठ, जिला भाजपा अध्यक्षट्रस्टी संदीप मोहोड, प्रदेश प्रवक्ता अजय धवले सहित समस्त ट्रस्टीगणों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया है। ट्रस्ट कमेटी ने 2 अप्रैल तक चलने वाले सभी आयोजनों का क्षेत्र वासियों से लाभ लेने की अपील की है।

गुड़ी पड़वा से ही शुरू हुई थीं तैयारियां, राममय हुआ पूरा तामिया

रामनवमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, भव्य रैली, शोभायात्रा और भंडारे से गूंजा नगर

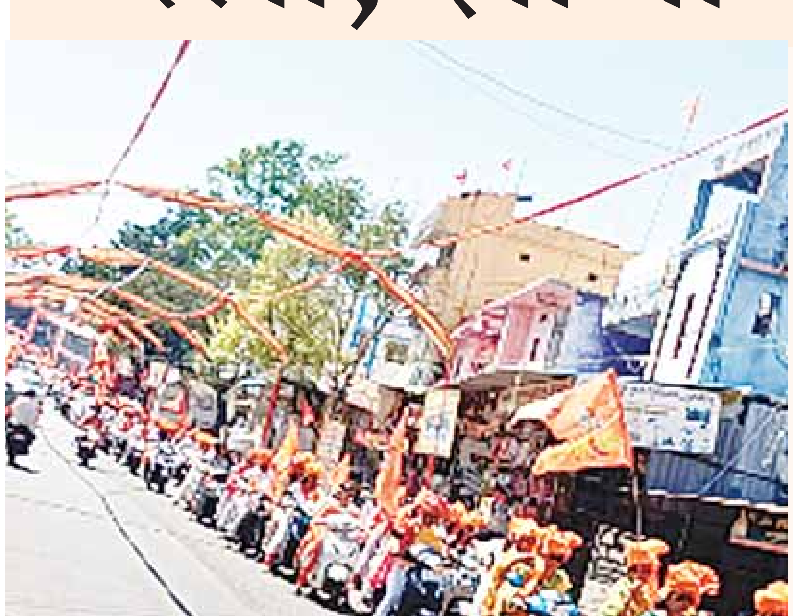

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तामिया

प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी का पर्व इस वर्ष तामिया नगर में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। पूरे देश की तरह तामिया में भी रामभक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। हिंदू पर्व समिति के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य आयोजन ने पूरे नगर को धार्मिक रंग में रंग दिया। सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया था और दोपहर 12 बजे माता मंदिर परिसर में विधि-विधान के साथ भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया।ज्ञात हो कि हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा से ही रामनवमी की तैयारियां प्रारंभ हो गई थीं।

हिंदू पर्व समिति द्वारा पूरे तामिया नगर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मुख्य मार्गों पर भगवा ध्वज, तोरणद्वार, रंग-बिरंगी झालरों और रोशनी की विशेष व्यवस्था की गई थी, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। नगर का प्रत्येक कोना राममय नजर आ रहा था।दोपहर के समय माता मंदिर परिसर में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव विधि-विधान से मनाया गया। जैसे ही घड़ी ने 12 बजाए, मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ भगवान का जन्मोत्सव मनाया।

मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।रामनवमी के इस पावन अवसर पर एक विशाल वाहन रैली का आयोजन भी किया गया। यह रैली माता मंदिर से प्रारंभ होकर पांडू पिपरिया, ब्लॉक कॉलोनी सहित विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पुनः माता मंदिर परिसर में आकर समाप्त हुई। रैली में महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी वाहन भगवा ध्वज और धार्मिक नारों से सुसज्जित थे। "जय श्रीराम" के गगनभेदी नारों से पूरा नगर गूंज उठा। रैली में शामिल लोग अनुशासन के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी आस्था का प्रदर्शन कर रहे थे।शाम के समय ब्लॉक कॉलोनी से भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसने पूरे आयोजन को और भी भव्य बना दिया।

शोभायात्रा में आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा गोरिल्ला जोड़ा, जिसने उपस्थित जनसमूह का भरपूर मनोरंजन किया। इस अनोखे आकर्षण को देखने के लिए लोग विशेष रूप से उत्साहित नजर आए।इसके अलावा शोभायात्रा में नौ देवियों की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गईं। साथ ही भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी विभिन्न घटनाओं को दर्शाती झांकियां भी शामिल रहीं। इन झांकियों को गाडरबाडा से आए कलाकारों द्वारा तैयार किया गया था, जिन्होंने अपनी कला से भगवान राम के जीवन को सजीव कर दिया।

राम-सीता विवाह, वनवास, लंका विजय जैसी घटनाओं को दर्शाती झांकियां श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर रही थीं।यह शोभायात्रा ब्लॉक कॉलोनी से प्रारंभ होकर ललिता देवी मंदिर होते हुए पुनः माता मंदिर परिसर में पहुंची। पूरे मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। नगरवासियों ने घरों के बाहर दीप प्रज्वलित कर और रंगोली बनाकर भगवान श्रीराम का स्वागत किया। इस आयोजन का सफल संचालन हिंदू पर्व समिति के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया गया।

समिति के सदस्यों ने आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रशासन और स्वयंसेवकों ने भी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया।माता मंदिर परिसर में शोभायात्रा के समापन के पश्चात महाआरती का आयोजन किया गया। हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ आरती में भाग लेकर भक्ति का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 3000 श्रद्धालुओं को भोजन कराया गया। भंडारे में प्रसाद के रूप में खीर, पूड़ी-सब्जी, फल आदि वितरित किए गए।

इस पावन अवसर पर नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, व्यापारी संगठनों और अन्य वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। माता मंदिर के सामने भक्तों के लिए खीर, मिठाई, फल और अन्य व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए। चल समारोह में शामिल श्रद्धालुओं को इन स्टॉलों के माध्यम से प्रसाद और जलपान उपलब्ध कराया गया। लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

पूरे आयोजन के दौरान तामिया नगर में भाईचारे और सौहार्द का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। हर वर्ग के लोग एकजुट होकर इस धार्मिक उत्सव में शामिल हुए। सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।रामनवमी का यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी सुदृढ़ करने का माध्यम बना। तामिया में इस प्रकार के भव्य आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया कि धार्मिक उत्सव लोगों को जोड़ने और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का कार्य करते हैं।इस प्रकार तामिया में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव अत्यंत धूमधाम, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया, जिसने नगरवासियों के हृदय में गहरी छाप छोड़ी।

चौरई ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत थावरी (मंहगौरा) जोगी बाबा टेकड़ी में चल रहे कंटूर ट्रेंच कार्य में दिनदहाड़े दिन के समय चलाई जा रही जेसीबी

कंटूर ट्रेंच कार्य में दहाड़ रही ग्राम पंचायतों में जेसीबी मशीन

मजदूरों को नहीं मिल रहा काम, फर्जी मस्टर से निकाली जा रही राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौरई

शासन ने मजदूरों की आर्थिक समस्या दूर करने और रोजगार देने के उद्देश्य से मनरेगा योजना में मशीनों से काम करने पर प्रतिबंध लगाया है जिससे मजदूरों को एक बार फिर रोजगार मिलने की उम्मीद जागी थी लेकिन ग्राम पंचायतों के जिम्मेदार रोजगार सहायक सचिव सरपंच और सचिव, मेट , रोजगार सहायक व जनपद में बैठे अधिकारियों की मिलीभगत से शासन की योजनाओं पर पानी फेर रहे हैं जिससे जहां मजदूरों को काम नहीं मिल रहा तो वहीं बेरोजगारों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है लेकिन गांव में भी उनको रोजगार नहीं मिल पा रहा है सबसे अधिक परेशानी उन मजदूरों को हो रही है जिनके पास आय का दूसरा साधन नहीं है और मजदूरी करके ही अपने परिवार का पालन करते हैं जहां एक और शासन के निर्देश अनुसार मनरेगा योजना अंतर्गत होने वाले निर्माण कार्य को गांव में ही रहने वाले मजदूरों से करवाया जाए लेकिन छिंदवाड़ा जिले के चौरई ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली सभी ग्राम पंचायतों में मजदूरों की जगह जेसीबी मशीनों से निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिसकी जानकारी जनपद में बैठे अधिकारियों के साथ नेताओं और जिले के अधिकारियों को भी है लेकिन कोई इस और मजदूरों के हक के लिए कदम नहीं उठा रहे हैं शासन के निर्देश है कि ग्राम पंचायतों में रजिस्टर्ड मजदूरों को कम से कम 100 दिन रोजगार देना अनिवार्य है लेकिन फिलहाल ऐसा नहीं होता दिखाई दे रहा है ग्राम पंचायतों में मजदूरों की जगह जेसीबी मशीन दहाड़ रही है।

ग्राम पंचायतों में चल रहा है कंटूर ट्रेंच का काम

ज्ञातव्य है कि आजादी के 75 वीं सालगिरह पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमर शहीद बलिदानों की अमर गाथा को याद रखने के उद्देश्य वर्षों के जल को संचित करने एवं जल क्रांति को जागृत करने को देश से अमृत सरोवर तालाब योजना एवं जल संरक्षण योजना लागू की गई है जिसके तहत चौरई जिले में सभी ग्राम पंचायतों में नवीन तालाब व पुराने तलाव का निर्माण किया जाना है जिसके तहत जनपद पंचायत चौरई की ग्राम पंचायतों में नवीन तालाब वर्तमान में स्वीकृत किए गए हैं तो वहीं जल संरक्षण का कार्य किया जा रहा है जिसमें सरपंच सचिव व अधिकारियों की मिलीभगत से भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है गौरतलब है कि अमृत सरोवर तालाब के निर्माण कार्य में जमीन की सतह पटल को खोदकर उसमें काली मिट्टी से नींव को भरा जाना है और काली मिट्टी में रोलर से कम्पेक्शन करके नींव को मजबूत किया जाना है लेकिन तालाबों के निर्माण कार्य में ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है मशीनों से मिट्टी को खोदकर चारों तरफ बंधान बनाई जा रही है लेकिन काली मिट्टी के गोले बनाकर नींव भराई का काम किसी भी तालाब पर नहीं किया गया है साथ ही सभी ग्राम पंचायतों में मजदूरों को काम ना देकर जेसीबी मशीनों से कार्यों को कराया जा रहा है।

मजदूरों के नाम पर मशीनों से काम

ब्लॉक की ग्राम पंचायत मंहगोरा (थावरी)में गरीब मजदूरों के नाम पर जमकर खेल खेला जा रहा है गरीब और बेसहारा लोगों के नाम पर ग्राम पंचायतों के सरपंच सचिव और जनपद में बैठे अधिकारियों की मिलीभगत से चौरई ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली सभी ग्राम पंचायतों में मजदूरों के नाम पर सिर्फ मशीनों के काम कराया जा रहा है और कागजों के फर्जी मस्टर रोल में मजदूरों को दर्शाया जाता है चौरई ब्लॉक की सभी ग्राम पंचायतों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा हो रहा है इस पर जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं असल में नीचे से लेकर ऊपर तक मिलीभगत के चलते मनरेगा में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है ग्रामीणों के हक पर डाका डालकर बड़े स्तर पर गड़बड़ी हो रही है मजदूर खाली हाथ घर बैठे हुए हैं वहीं पंचायत के पदाधिकारियों व दबंग किस्म के लोगों द्वारा विभिन्न हथकंडे अपना कर मनरेगा की राशि बंदरबांट की जा रही है विभिन्न तरीकों से मजदूरों के काम पर सेंधमारी हो रही है जानकारी के अनुसार जो काम मजदूरों के लिए निर्धारित है उन्हें मशीनों से कराया जा रहा है इस मामले में भुगतान मजदूरों के खातों में ही होता है लेकिन मजदूरों के खातों में राशि आने के बाद उसे निकालकर मशीनों का भुगतान किया जाता है कागजों में भले ही मजदूरों को काम मिला हो लेकिन वास्तविकता में मजदूरों को काम नहीं मिलता है मजदूरों के हक पर किस कदर डाका डाला जा रहा है इसका अंदाजा विभिन्न ग्राम पंचायतों में आए दिन डाले जाने वाले मस्टर रोल से लगाया जा सकता है योजनाओं के तहत मंजूर होने वाले विकास कार्यों में आकलन लगाकर कार्य दिवस तक होते हैं और उसी हिसाब से मजदूरों को काम मिलता है लेकिन चौरई ब्लॉक में यह सब होता तो है

जलती रही फसल, बिलखते रहे किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

खेत में खड़ी और पकी फसल जलती रही , जिसे देखकर किसान बिलखते रहे । गांव के अन्य लोग आग बुझाते रहे , पर फसल खाक हो गई । यह घटना पगारा की समीपस्थ पंचायत कारीडोंगरी के ग्राम किरवारी की है । जहां लगभग 5 एकड़ खेत में लगी गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई ।ग्राम पंचायत मैनावाड़ी और कारीडोंगरी के बीच में स्तिथ गांव किरवारी के किसान खुशाल यदुवंशी , जगदीश यदुवंशी और परसराम यदुवंशी और उनके परिवार के लोगों ने कड़ी मेहनत कर अपने खेत में गेहूं उगाया , जो पक गया , कुछ फसल काटकर खेत में ही रखी रही , कुछ काटना बाकी था , पर शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे उनकी उम्मीदों , मेहनत और खुशी में फसल में लगी आग ने पानी फेर दिया । खबर मिलते ही किसान , उनके परिवार वाले और गांव वाले खेत की तरफ दौड़े , किसान के परिजन फसल जलती देख चीखते , बिलखते रहे , लोग आग बुझाते रहे , न्यूटन नगर पंचायत से दमकल वाहन भी पंहुचा , आग बुझाई गई , लेकिन किसान की सारी फसल जलकर खाक हो गई , वहीं आसपास के खेतों की फसल भी प्रभावित हुई ।

विधायक ने जताया दुख

खेत में आग लगने की सूचना मिलते ही परासिया विधायक सोहन लाल वाल्मीकि , तहसीलदार सुनैना बृहम्हे , कृषि विस्तार अधिकारी आनंद परतेती , पटवारी संदीप प्रजापति मौके पर पहुंचे । विधायक सोहन लाल वाल्मीकि ने फसल के जलने पर दुख जताते हुए , मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों से किसान को हुए नुकसान का जाएजा कर किसानों को पूरा - पूरा मुआवजा देने की मांग रखी ।

शार्ट - सर्किट से लगी आग

बताया जा रहा है , कि यहां खेतों से 11 के वी की इलेक्ट्रिक लाइन गुजरी है , जिसमें गुरुवार को फाल्ट आने के चलते गुरुवार शाम बिजली कर्मी फाल्ट चेक करने गए और फाल्ट ठीक कर आए । शुक्रवार सुबह बिजली चालू करते ही शार्ट - सर्किट हुआ और तारों से चिंगारी निकली जिससे फसल ने आग पकड़ ली ।

मेन पाइपलाइन टूटी, तत्काल हुई मरम्मत

बड़कुही / परासिया :- नगर पंचायत बड़कुही में , चरई इंटेक वेल से आई पाइपलाइन लाइन भमोड़ी महुआ गुलाई के समीप किसी अज्ञात द्वारा जे सी बी से तोड़ दी गई , जिसके सूचना मिलते ही अध्यक्ष भारत डेहरिया और सी एम ओ रंजीत अहाके मौके पर पहुँचे । सप्लाई चालू रहने के चलते पानी का फव्वारा फूट पड़ा और मुख्य मार्ग पर पानी बहने लगा । सप्लाई बंद कराकर तत्काल कर्मचारियों से ठीक कराया गया । बताया जा रहा है , कि किसी अज्ञात के द्वारा सड़क किनारे जे सी बी से गड्ढा खोदा जा रहा था , जैसे ही पाइपलाइन फूटी तो चालक जे सी बी लेकर रफू चक्कर हो गया ।

मंदिरों से ज्योतिकलशों की शोभायात्रा निकालकर कराया गया जलदर्शन

नवरात्रि के नौवें दिन मां लंजकाई कि नगरी लांजी में उमड़ा जनसैलाब, देर रात तक किया गया ज्योति कलशों का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज लांजी।

चैत्र नवरात्र की नवमी (राम नवमी) के पावन अवसर पर, विभिन्न देवी मंदिरों और घरों में स्थापित मनोकामना ज्योति कलशों को विधि-विधान से विसर्जित किया गया। नौ दिनों तक माता की पूजा-अर्चना के बाद, कलश यात्राएं निकालकर भक्तों ने पारंपरिक गीतों के साथ नगर के तालाबों में ज्योति कलशों का विसर्जन किया, जिससे माहौल भक्तिमय हो गया।चैत्र नवरात्र पर्व के चलते क्षेत्र भर में पूरे नौ दिनों तक विविध धार्मिक आयोजन होत रहे। वहीं 27 मार्च को नवमीं पर्व भक्तिमय माहौल में मनाया गया। नगर के प्रमुख माता मंदिरों में एक दिन पूर्व अष्टमी को हवन-पूजन कर मातारानी को अठवाई चढ़ाकर कन्यापूजन कर कन्याभोज कराया गया। वहीं नवमीं में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर ज्योति कलशों की शोभायात्रा निकालकर समीपस्थ जलस्रोतों में विसर्जन किया गया।नवमीं के अवसर पर नगर के प्रमुख मंदिरों में स्थापित ज्योति कलश विसर्जन के लिए शोभायात्रा के साथ निकाले गए। नगर के मां लांजकाई व दुर्गा मंदिर मरार मोहल्ला, शीतला मंदिर लांजी, दुर्गा मंदिर निमटोला, शीतला मंदिर दखनीटोला, गायत्री मंदिर से ज्योतिकलश विसर्जन के लिए बैण्डबाजों की धुन के साथ शोभायात्रा के रुप में निकाली गई। जो नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए स्थानीय गणेशी तालाब तट पर पहुंचे। जहां विधि-विधान से पूजा अर्चन कर कलश विसर्जन किया गया।

लांजी में चैत्र नवरात्र पर्व के दौरान लांजी थाना प्रभारी दीप सिंह परमार द्वारा मंदिरों में पुलिस बल तैनात कर महिला आरक्षक की नियुक्ति भी की गई थी। वहीं जवारे विसर्जन के दौरान दुर्घटना से सुरक्षा का ध्यान रखते हुए जवारे विसर्जन मार्ग को पूरी तरह भारी वाहनों के आवागमन बंद कर दिया था।

रामनवमी पर मोती नगर में जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ, जल गंगा अभियान को मिली गति

बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान सतत संचालित है, जिसके अंतर्गत जल स्रोतों की साफ-सफाई, गहरीकरण एवं बोरीबंधान जैसे कार्य जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ के मार्गदर्शन में किए जा रहे हैं।इसी कड़ी में रामनवमी के पावन अवसर पर म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील बर्मन के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था “रक्षिका शौर्य शक्ति फाउंडेशन” के नेतृत्व में नगरीय क्षेत्र बालाघाट के वार्ड क्रमांक 32, मोती नगर झांसी रानी चौक में जल मंदिर (प्याऊ) का उद्घाटन किया गया। बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए “जल सेवा, मानव सेवा” के पुनीत उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था की अध्यक्ष जयश्री सोनवाने ने किया।

मां किरनाई मंदिर किरनापुर में 228 कालशों सहित ज्वारे का हुआ विसर्जन

किरनापुर। मां किरनाई मंदिर में चैत नवरात्रि पर्व के समापन पर 228 कलशों और ज्वारों का भव्य विसर्जन किया गया। श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों के साथ माता के जयकारे लगाते हुए पवित्र जल स्रोत पर पहुँचे, जहाँ पूरी आस्था के साथ जवारों का विसर्जन किया गया। इस दौरान माहौल पूरी तरह से भक्तिमय और उत्साहपूर्ण रहा। 228 कलशों की स्थापना के साथ ज्वारे विसर्जित किए गए।नौ दिनों की कठिन तपस्या के बाद दशमी तिथि पर ज्वारों को विसर्जित किया गया। विसर्जन के बाद ज्वारों को घर में सुख-समृद्धि के लिए रखा जाता है और शेष को पवित्र जल में प्रवाहित किया जाता है। जवारे विसर्जन पश्चात मां किरनाई व मां दुर्गा जी की महा आरती की गई तथा भंडारे का आयोजन कर हजारों की तादात में प्रसादी वितरण किया गया कलश रखने वाली माता एवं बहनों को साड़ियां व फल देकर विदाई की गई।

फोफसा पंचायत के बोरी खुर्द में भ्रष्टाचार की बू, जिम्मेदार मौन- किसानों के हक पर डाका!

घोटाले की सड़क! घटिया निर्माण से फूट रहा गुस्सा, 1.50 लाख की सीसी रोड पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। लांजी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत फोफसा के ग्राम बोरी खुर्द (वार्ड क्रमांक 16) में बन रही सीसी सड़क अब विकास नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की मिसाल बनती जा रही है। पंद्रहवें वित्त आयोग से लगभग 1 लाख 50 हजार रुपये की लागत से 45 मीटर लंबी इस सड़क के निर्माण में खुलेआम लापरवाही और घटिया गुणवत्ता का खेल चल रहा है। ग्रामीणों में इसको लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। पंच पति डोमेश्वर नगपुरे सहित ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य में उपयोग किया जा रहा मटेरियल बेहद निम्न स्तर का है। जब इस संबंध में मशीन ऑपरेटर को अवगत कराया गया, तो उसने ग्रामीणों की बात को नजरअंदाज कर दिया।

ग्रामीणों के मुताबिक सड़क निर्माण में सीमेंट की मात्रा बेहद कम रखी जा रही है, जबकि रेत मिट्टी जैसी घटिया गुणवत्ता की है। इतना ही नहीं, सीसी रोड निर्माण में आवश्यक झिल्ली (प्लास्टिक शीट) तक नहीं डाली गई, जो निर्माण की मूलभूत प्रक्रिया का हिस्सा होती है। सड़क में मसाले का अनुपात भी असमान है-कहीं ज्यादा तो कहीं बेहद कम- जिससे साफ जाहिर है कि निर्माण कार्य में मानकों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

हैरानी की बात यह है कि सड़क निर्माण लगभग पूरा होने को है, लेकिन अब तक पानी की तराई (क्योरिंग) नहीं की गई है, जिससे सड़क की उम्र पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। सरपंच और पंचायत सचिव की इस मामले में चुप्पी उनकी भूमिका पर सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणो ने बताया कि यह सड़क क्षेत्रीय विधायक निधि से किसानों को खेत तक पहुंचने की सुविधा देने के उद्देश्य से स्वीकृत की गई थी, लेकिन भ्रष्ट निर्माण ने इस योजना को मजाक बना दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि जनता के पैसे का दुरुपयोग रोका जा सके।

रायल्टी जमा करवाने के स्थान पर बाजार दर पर पेनाल्टी जमा करवा रहे सिंगारे

लोनिवि भवन के कार्यपालन यंत्री सिंगारे की तानाशाही से ठेकेदार परेशान

सिविल कान्ट्रेक्टर एसोसियेशन ने कलेक्टर बालाघाट को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

लोक निर्माण विभाग भवन बालाघाट के कार्यपालन यंत्री के के सिंगारे की तानाशाहीपूर्ण कार्यवाही से परेशान सिविल कान्ट्रेक्टर एसोसियेशन मध्यप्रदेश के अध्यक्ष विजय बंटी गोस्वामी के नेतृत्व में बालाघाट जिले के ठेकेदारों ने कलेक्टर बालाघाट से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने कार्यपालन यंत्री के के सिंगारे की तानाशाही पूर्ण कार्यप्रणाली के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए निर्माण विभाग के सभी ठेकेदारों व अधिकारियों की बैठक बुला कर समस्या का समाधान करवाने की मॉग की है। इसके पहले एसोसियेशन के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने एक बैठक कर कार्यपालन यंत्री भवन के के सिंगारे द्वारा की गई कार्यवाही के संबंध में विचार विमर्श किया।

लीजधारी ठेकेदार नहीं देते सामग्री की रायल्टी

ज्ञापन में लिखे गए मुद्दों के बारे में जानकारी देते हुए सिविल कान्ट्रेक्टर एसोसियेशन मध्यप्रदेश के जनरल सेक्रेटरी युनूस खान उर्फ पप्पा भाई ने बताया कि बालाघाट जिले में अनेकों शासकीय एवं गैर शासकीय विभागों में ठेका पद्धति से अनुबंध आधार पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिनमें समस्त ठेकेदार गण निर्माण कार्य में लगने वाली गौण खनिज जैसे रेत, मिट्टी, गिट्टी, मुरम का उपयोग करते है। सभी ठेकेदार यह संपूर्ण सामग्री किसी लीजधारी, सप्लायर, एजेंट, ट्रेडर्स या क्रेशर के मालिकों से खरीद कर निर्माण कार्यो में उपयोग करते है। लेकिन यह लीजधारी ठेकेदार उन्हें रायल्टी की रसीद नहीं देते है। शासकीय कार्यो में रायल्टी रसीद पेश नहीं करने पर गौण सामग्री की निर्धारित रायल्टी प्रति घनमीटर की दर से विभाग अपने चल देयकों में से कटवा भी रहे है। जिससे शासन को किसी भी प्रकार की रायल्टी की आर्थिक क्षति नहीं हो पा रही है।

कार्यपालन यंत्री मनमाने तरीके से बाजार दर पर पेनाल्टी लगाकर काट रहे राशि

लेकिन लोक निर्माण विभाग भवन के कार्यपालन यंत्री के के सिंगारे ने बगैर कोई आदेश ठेकेदारों को जारी किये मनमाने तरीके से रायल्टी की रसीद जमा नहीं करने पर पेनाल्टी सहित बाजार मूल्य से प्रति घन मीटर की रायल्टी चल देयकों में से काटना प्रारंभ कर दिया है। इसके लिए उनके द्वारा खनिज विभाग बालाघाट से रायल्टी दर व बाजार मूल्य की सूची बुलवाई गई है।

वर्षो से शासन द्वारा निर्धारित रायल्टी ही काटी जा रही थी ठेकेदारों से

उन्होंने बताया कि शासकीय निर्माण कार्य में लगने वाली गिट्टी, बोल्डर, पत्थर रेत, मुरुम क्रेशर के मालिक एजेंट, ट्रेडर्स, सप्लायर के माध्यम से सप्लाई करते है तथा शासन द्वारा निर्धारित रायल्टी ना कि बाजार दर की कीमत, जो कि राजपत्र में खनिज विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा निर्धारित की गई है, उस अनुरुप ऑनलाईन रायल्टी अर्थात अभिवहन पास की राशि काटकर संबंधित ठेकेदार को प्रदान करने का नियम है तथा ठेकेदार द्वारा उक्त ऑनलाईन ट्रांजिस्टर पास की हार्ड कापी निकाल कर निर्माण विभाग में जमा करते है, यदि ठेकेदार द्वारा ट्रांजिट पास अथवा रायल्टी पर्ची जमा नहीं की जाती है, तो जो भी निर्धारित शुल्क प्रति घन मीटर से है, निर्माण विभाग ठेकेदारों को बिलों का भुगतान करने के पूर्व चल देयक में से अग्रिम राशि रायल्टी के रुप में काट कर विभाग में जमा कर लेता है। यह प्रक्रिया वर्षो से चली आ रही है।

ठेकेदारों को दो-दो बार रायल्टी जमा करनी पड़ रही है

उन्होंने बताया कि किसी भी सामग्री के बाजार मूल्य में रायल्टी, लीजधारी का लाभ, परिवहन, टैक्स सहित अन्य खर्चे जुड़े रहते है। फिर किस आधार पर कार्यपालन यंत्री के के सिंगारे द्वारा बाजार मूल्य पर ठेकेदारों से राशि जमा करवाने का आदेश दे रहे है? उन्हें सिर्फ शासन को रायल्टी के होने वाले नुकसान से बचाने के लिए ठेकेदारों से रायल्टी की राशि लेने का अधिकार है। जो ठेकेदार आज भी जमा कर रहे है। एक ओर तो ठेकेदारों द्वारा सामग्री बुलाने पर लीजधारी, एजेंट, ट्रेडर्स व सप्लायरों द्वारा रायल्टी की पर्ची उन्हें प्रदान नहीं की जाती है, जबकि प्रदाय की गई सामग्री में रायल्टी की राशि जुड़ी होती है, वहीं दूसरी ओर रायल्टी की पर्ची निर्माण विभाग में जमा नहीं करने पर विभाग भी उनसे रायल्टी की राशि जमा करवा लेता है। इस प्रकार ठेकेदार को दो-दो बार रायल्टी की राशि जमा करना पड़ता है। जिससे उस पर अतिरिक्त भार पड़ता है।

शासन द्वारा निर्धारित रायल्टी 4 किस्तों में जमा करने तैयार है ठेकेदार

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन चाहे तो अनुबंध के बाद निर्माण विभाग से रेत, गिट्टी, पत्थर, मुरम का संपूर्ण इस्टीमेट मात्रा के अनुसार मॉग ले तथा चार किस्तों में शासन द्वारा निर्धारित रायल्टी शुल्क चलित देयकों में अग्रिम के रुप में काटने के निर्देश देवे तथा जिनकी रायल्टी पास में हो तो उतनी धनराशि कम करके शेष राशि जमा करवा ले। इस संबंध में उन्होंने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा पी डी मुले और आर के वर्मा जज साहब ने एम पी कान्ट्रेक्टर संघ इंदौर एवं आदर्श वर्सेस स्टेट ऑफ एम पी एंड अदर के संबंध में 1987 को निर्णय पारित किया गया है कि ठेकेदारों की बिलों का भुगतान रायल्टी पिट पास के न होने के कारण रोका नहीं जा सकता है।

क्या ठेकेदारों की समस्या का समाधान करेगे कलेक्टर व खनिज अधिकारी?

एसोसियेशन द्वारा कलेक्टर मृणाल मीणा को दिए गए ज्ञापन के बाद श्री मीणा ने उन्हें खनिज अधिकारी से मिलने और अपनी समस्या से अवगत कराने की सलाह दी है। अब देखना यह है कि खनिज विभाग के अधिकारी शासकीय ठेकेदारों की समस्या को किस तरह से हल करवाते है?

खबर संक्षेप

निशुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं विशेषज्ञ परामर्श शिविर आज

छपारा। नगर के मसीही समाज एवं मिशन स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आज 28 मार्च शनिवार को मिशन स्कूल में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक निशुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं विशेषज्ञ परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति द्वारा जानकारी दी गई कि शिविर में क्षेत्र के प्राचीन और सुप्रसिद्ध मिशन अस्पताल, लखनादौन के अनुभवी चिकित्सकों द्वारा सेवाएँ प्रदान की जाएंगी। विशेष रूप से आधुनिक दूरबीन पद्धति (लैप्रोस्कोपिक) एवं सामान्य सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. स्टीफन टॉम जूड द्वारा मरीजों का परीक्षण एवं परामर्श दिया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस निशुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभउठाएं।

ईव्हीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने ईव्हीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी तथा अभिलेखों का सूक्ष्म परीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सीएल चनाप सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिन्होंने निरीक्षण प्रक्रिया का अवलोकन किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन-जन का आंदोलन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। विकासखंड धनौरा में जल गंगा संवर्धन अभियान जनभागीदारी के साथ संचालित किया जा रहा है। ग्राम पंचायत बेगरवानी में कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच कविता शिवराम मरकाम, विकासखंड समन्वयक श्याम उईके, कोमल सिंह उईके एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं मां सरस्वती के छायाचित्र पर पूजन से की गई। इस अवसर पर श्याम उईके एवं मेंटर्स पीतम रजक ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीणों को पानी के सदुपयोग एवं संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण जनभागीदारी से ही संभव है। कार्यक्रम के अंत में कलश रैली निकालकर जागरूकता फैलाई गई तथा ग्राम के तालाब के गहरीकरण कार्य हेतु भूमि पूजन कर कार्य का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मेंटर्स, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आरटीई अंतर्गत निःशुल्क प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिला परियोजना समन्यक जिला शिक्षा केंद्र सिवनी द्वारा जानकारी देकर बताया गया कि सत्र 2026-27 के लिए आरटीई अंतर्गत निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 है, जबकि दस्तावेज सत्यापन 30 मार्च 2026 तक जनशिक्षा केंद्रों में किया जाएगा। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही मान्य होंगे। इस योजना में कमजोर वर्ग और वंचित समूह के बच्चों को प्रवेश मिलेगा।

ग्राम पंचायत हरदुली में घटिया सड़क निर्माण कार्य

चार माह बीत जाने के बाद भी नहीं हुई जाँच

केशव राय धनौरा - सिवनी जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र जनपद पंचायत धनौरा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत हरदुली में लगभग चार माह पूर्व बनी गई घटिया सी सी सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एक बार फिर सवालों के घेरे में है।

राजा बाबा घाट के किनारे बनी कांक्रीट रोड महज एक माह से भी कम समय में उखड़कर टूट-फूट का शिकार हो गई थी। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।ग्रामीणों ने दैनिक हरि भूमि समाचार से संपर्क कर बताया था कि सड़क निर्माण के दौरान ही घटिया सामग्री उपयोग किए जाने की आशंका जताई जा रही थी, और आज उसकी पोल खुलकर सामने आ गई। ग्रामीणों के अनुसार सड़क पर पहली ही एक माह के अंदर कई हिस्सों में कंक्रीट परत उखड़कर अलग हो गई और साइड सोल्डर पटरी भी नहीं बनाए गए थे।

ग्रामीणों ने की जांच की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से चार माह पूर्व ही मांग की थी कि निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने पर सचिव व सरपंच के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही सड़क को पुनः मानक गुणवत्ता के साथ बनाने की मांग भी की थी परंतु चार माह बीत जाने के बाद भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्राम पंचायत हरदुली में हुई इस लापरवाही ने स्थानीय प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर ध्यान दिया जाता, तो सरकारी राशि व ग्रामीणों की सुविधाओं को नुकसान नहीं होता।

सचिव- धीरेंद्र पटेल व सरपंच राकेश उइके पर भ्रष्टाचार के आरोप

ग्राम पंचायत हरदुली के सचिव धीरेन्द्र पटेल और सरपंच राकेश कुमार ऊईके पर ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि दोनों के संरक्षण में निर्माण कार्यों में भारी अनियमितताएँ की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता परीक्षण, सुपरविजन और मानक सामग्री का ध्यान नहीं रखा गया, जिससे सरकारी धन की बर्बादी हुई। जब इस संबंध में सरपंच राकेश कुमार ऊईके व सचिव धीरेंद्र पटेल से बात करने की कोशिश की गई परंतु उन्होंने फ़ोन नहीं उठाया। देखना अब यह होगा की जिम्मेदार अधिकारियो के द्वारा क्या इस मामले की जाँच की जाएगी या फिर

खेतों में अचानक आग लगने से मचा हडक़ंप

हरिभूमि न्यूज सिवनी।सीलादेही क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर खेतों में अचानक आग लगने से हडक़ंप मच गया। खेतों से उठते धुएं को देखकर आसपास के किसान मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैलती गई और देखते ही देखते कई एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह राख हो गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन सूखी फसल और तेज हवा के चलते आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। आग बुझाने के प्रयास में जुटे ग्रामीणों को भी नुकसान उठाना पड़ा।
इस दौरान दो मोटरसाइकिलें आग की चपेट में आ गईं, जो पूरी तरह जलकर नष्ट हो गईं। ग्रामीणों की कड़ी मेहनत और फायर ब्रिगेड की सहायता से आखिरकार आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक किसानों को भारी नुकसान हो चुका था। इस संबंध में पटवारी महेंद्र सरयाम ने बताया कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार लगभग 10 हेक्टेयर भूमि में लगी फसल जल गई है। नुकसान का विस्तृत आंकलन कर रिपोर्ट कल प्रस्तुत की जाएगी। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

गर्मी से बचने के लिए बाघ का कूल अंदाज़, पेंच टाइगर रिजर्व की पुलिया के नीचे आया नजर!

पुलिया की छांव में बाघ का विश्राम, पर्यटकों के लिए बना यादगार पल

सिवनी के प्रसिद्ध पेंच टाइगर रिजर्व से एक बेहद दिलचस्प तस्वीर सामने आई है। यहाँ रुखड़ बफर क्षेत्र में एक बाघ जंगल के रास्तों को छोड़, सडक़ के नीचे बनी पुलिया की छांव में सुस्ताता दिखाई दिया। कडक़ड़ाती धूप और बढ़ते तापमान के बीच बाघ का यह स्मार्ट चुनाव पर्यटकों और वन्यजीव विशेषज्ञों के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वन्यजीवों की बदलती परिस्थितियों के साथ ढलने की अद्भुत क्षमता को दर्शाता है।
सिवनी और छिंदवाड़ा जिलों में विस्तृत विश्व प्रसिद्ध पेंच टाइगर रिजर्व इन दिनों अपनी जैव-विविधता और बाघों की अठखेलियों के कारण चर्चा में है। हाल ही में एक दुर्लभ नज़ारा तब देखने को मिला जब एक बाघ को जलस्त्रोतों के बजाय एक पुलिया के नीचे आराम करते पाया गया। 1975 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा प्राप्त करने वाला यह पार्क, जो अपनी जंगल बुक की यादों के लिए जाना जाता है, आज भी देश-विदेश के पर्यटकों की पहली पसंद बना हुआ है। पेंच नदी की गोद में बसे इस अभयारण्य में न केवल बाघ, बल्कि तेंदुए, भालू और पक्षियों की 250 से अधिक प्रजातियां मौजूद हैं। बाघ का इस तरह पुलिया के नीचे दिखना सफारी पर आए पर्यटकों के लिए एक अनूठा अनुभव रहा।

लखनादौन में रुकने का नाम नहीं ले रहा है भ्रष्टाचार आला अधिकारियों पर लग रहे प्रश्न चिन्ह?

लाखों की लागत, घटिया निर्माण लखनादौन की नई शाला बन रही भ्रष्टाचार की मिसाल

लखनादौन जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम रहलों खुर्द में बन रही नवीन शाला का निर्माण कार्य इन दिनों गंभीर सवालों के घेरे में है। लगभग 16 लाख रुपए की लागत से तैयार हो रही इस स्कूल बिल्डिंग में जिस तरह की अनियमितताएँ सामने आ रही हैं, वह न केवल निर्माण एजेंसी की लापरवाही को उजागर करती हैं, बल्कि संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करती हैं।

हरिभूमि न्यूज लखनादौन।

ग्राम रहलों खुर्द में यह शाला लंबे समय से निर्माणाधीन है। कई वर्षों के इंतजार के बाद दूसरी किस्त जारी होने पर काम फिर से शुरू हुआ, लेकिन जिस गति और गुणवत्ता से कार्य किया जा रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। निर्माण कार्य एमसी के माध्यम से कराया जा रहा है, जिसकी निगरानी बीआरसी और उनके अधीनस्थ इंजीनियरों द्वारा की जानी चाहिए। मगर जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है—यहाँ मानो कोई देखने वाला ही नहीं है।
जब स्थानीय लोगों और जागरूक नागरिकों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और संबंधित बीआरसी को सूचना दी, तब जाकर जांच की औपचारिकता पूरी करने की बात कही गई। बीआरसी ने अपने अधीनस्थ इंजीनियरों की टीम बनाकर जांच कराने का आश्वासन दिया, लेकिन जब वास्तविक स्थिति देखी गई, तो जो सामने आया वह चौंकाने वाला था।
बताया जा रहा है कि हाल ही में शाला की छत (लेटर) डाली गई है, लेकिन एक महीने का समय भी नहीं बीता और छत के नीचे से लोहे की सरिया बाहर झांकने लगी है। यह स्थिति साफ तौर पर निर्माण में उपयोग किए गए घटिया मटेरियल और तकनीकी लापरवाही की ओर इशारा करती है। यदि अभी से यह हाल है, तो आने वाले समय में यह भवन कितने दिन टिक पाएगा, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।
विशेषज्ञों के अनुसार, यदि निर्माण कार्य में इसी प्रकार की गुणवत्ता हीनता बरती गई, तो दो से तीन साल के भीतर ही पूरी बिल्डिंग में दरारें पड़ सकती हैं। बरसात के मौसम में छत से पानी रिसने की पूरी संभावना है, जिससे न केवल भवन की स्थिति और खराब होगी, बल्कि वहां पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाएगी।
यह सवाल उठना लाजमी है कि आखिर लाखों रुपए की इस योजना में इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हो रही है? क्या संबंधित अधिकारी और इंजीनियर केवल कागजों में ही निरीक्षण कर रहे हैं? या फिर यह सब जानबूझकर किया जा रहा है ताकि भ्रष्टाचार की यह "होली" बिना किसी रुकावट के खेली जा सके?
गौरतलब है कि शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का मजबूत होना बेहद जरूरी है। एक स्कूल केवल पढ़ाई का स्थान नहीं होता, बल्कि बच्चों के भविष्य की नींव होता है। ऐसे में यदि स्कूल भवन ही कमजोर और असुरक्षित बनेगा, तो इसका सीधा असर बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा दोनों पर पड़ेगा।
स्थानीय लोगों में इस मामले को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच नहीं हुई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो यह भवन एक बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है।
अब नजरें जिले की कलेक्टर पर टिकी हैं। लोगों को उम्मीद है कि कलेक्टर महोदया इस मामले को गंभीरता से लेंगी और मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करेंगी। इससे पहले भी जिले में कलेक्टर द्वारा शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए विशेष अभियान चलाए गए थे, जिनकी सराहना दिल्ली स्तर तक हुई थी।
ऐसे में एक बार फिर प्रशासन से यही उम्मीद है कि वह इस मामले में सख्त रुख अपनाएगा, दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि बच्चों के लिए बन रही शाला भ्रष्टाचार की भेंट न चढ़े, बल्कि

नवांकुर संस्था सतयोगी सोसायटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट संस्था के द्वारा बंडोल में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हैंडपंप एवं तालाब की हुई सफाई,दिलाई गई जल संरक्षण की शपथ

जन अभियान परिषद ब्लॉक सिवनी, जिला सिवनी के सेक्टर क्रमांक 02 के अंतर्गत नवांकुर संस्था - सतयोगी सोसायटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट समाज सेवी संस्था के द्वारा ग्राम पंचायत बंडोल के हैंडपम्प एवं तालाब मे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत यापक साफ - सफाई अभियान चलाया गया।

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

इस दौरान उपस्थित जन समूह को जल संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने की शपथ भी दिलाई गई।
कार्य क्रम का आयोजन जिला समन्वयक सौरभ शुक्ला सर एवं ब्लॉक समन्वयक श्रीमती मोनिका चौरसिया एवं नवांकुर संस्था से कार्यक्रम समन्वयक श्रीमति सीमा गढ़पायले मैडम के मार्गदर्शन मे किया गया अभियान के तहत तालाब एवं हैंडपम्प परिसर में सफाई कर पर्यावरण संरक्षण और जल स्त्रोतों के महत्त्व को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया।
इस अवसर पर मुख्य रूप से ब्लॉक समन्वयक श्रीमती मोनिका चौरसिया मैडम, नवांकुर संस्था से जितेंद्र लिल्हारे एवं परामर्शदाता शोभा बघेल, ग्राम विकाश प्रस्फुटन समिति से अनुरंजन सिंह बघेल सचिव, अरविंद सिंह बघेल अध्यक्ष, कविता बेले मैडम परामर्शदाता , पूर्व परामर्शदाता धीरेंद्र चौरसिया सर सहित बड़ी संख्या मे ग्रामीण जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और जल स्त्रोतों का संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगो से अपील की कि वे अपने आस - पास के जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने एवं जल बचाने के लिए निरंतर प्रयास करे। अभियान में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिससे यह संदेश गया कि सामूहिक प्रयासों से ही पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा

लखनादौन में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई राम नवमी

लखनादौन। आज श्री राम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नगर के श्री राम मंदिर में राम नवमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और भगवान श्री राम के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। पूजन-अर्चन के साथ विशेष सजावट की गई, वहीं भगवान श्री राम का आकर्षक श्रृंगार कर भव्य आरती की गई। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा कर अपने परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।
कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे नजर आए। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। नगर में राम नवमी के इस पावन पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

सिवनी में आयोजित हुआ वृहद विधिक जागरुकता शिविर

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सतीश चन्द्र राय के कुशल मार्गदर्शन में आज दिनांक 27/03/2026 को प्रातः 10:30 बजे से मठ मंदिर प्रांगण.सिवनी में वृहद विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया।
उक्त शिविर का शुभारंभ सतीश चन्द्र राय द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। शिविर में उपस्थित विभिन्न विभागों अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा लगाई गई स्टॉल जिनमें नगर पालिका विद्युत विभाग, जिला पंचायत विभाग, जनपद पंचायत, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग एवं वन स्टॉप सेंटर आदि सहित उपस्थित रहे। श्री राय ने मंच के माध्यम से सिवनी जिले के आमजनों से ये अपील की कि उक्त शिविर में लगाई स्टॉलों द्वारा प्रदान की जा रही योजनाओं तथा देयकों में छूट का लाभ लेते हुए कार्यक्रम को सफल बनाये।
इसी तारतम्य में तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश बलवीर सिंह धाकड़ ने विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित निःशुल्क विधिक सहायता योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए इसके उद्देश्य के बारे में जनता को जागरुक किया तथा मुख्य न्यायिक मजिस्टेऊट श्रीमती कला भम्मरकर ने महिलाओं संबंधित कानूनी सहायता तथा योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी साथ ही शिविर में उपस्थित आमजन से ये अपील करी की समाज में हर नारी का सम्मान आपकी जिम्मेदारी है।
कार्यक्रम का क्रियान्वयन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रवि नायक द्वारा किये जाने के साथ ही उन्होने आमजन से अपील की कि वे लगाये गये वृहद विधिक जागरुकता शिविर में पहुंचकर शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेवें। कार्यक्रम का मंच संचालन आशीष दुबे ने किया। कार्यक्रम के अंत में जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

सुरक्षा से समझौता कतई बर्दाश्त नहीं, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी: एमडी सुनील तिवारी

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) मुख्यालय में आयोजित प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में सुरक्षा मानकों से समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।
उन्होंने कहा कि ट्रांसमिशन कार्यों में जीरो एक्सीडेंट लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए निर्धारित सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। फील्ड में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी की सुरक्षा कंपनी की पहली जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
एमडी ने अधिकारियों को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि मेंटेनेंस अथवा अन्य कार्यों के दौरान सुरक्षा में कमी या अनदेखी के कारण हुई किसी भी दुर्घटना पर अब संबंधित फील्ड अधिकारी के साथ-साथ कार्य कराने वाले जिम्मेदार अधिकारी एवं सुपरवाइजर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पडऩे पर कंपनी द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराने जैसी कड़ी कार्यवाही भी की जाएगी।
उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की गति से अधिक महत्व सुरक्षा को दिया जाए और हर स्तर पर सतर्कता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

घंसौर में गूंजा जय श्री राम, ऐतिहासिक बनी राम नवमी की शोभायात्रा

प्राचीन श्री राम मंदिर बना आस्था का केंद्र, श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

नगर घंसौर के हृदय स्थल में स्थित प्राचीन श्री राम मंदिर में इस वर्ष राम नवमी का पर्व बड़े ही धूमधाम, उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। पूरे मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया गया था, जहां फूलों की महक और आकर्षक रोशनी ने भक्तों का मन मोह लिया।
प्रातः काल भगवान श्री राम का विधिवत पूजन-अर्चन कर जन्मोत्सव मनाया गया। जैसे ही दोपहर 12 बजे भगवान श्री राम के जन्म का क्षण आया, पूरा मंदिर जय श्री राम के जयकारों से गूंज उठा। घंसौर की बोली में कहें तो पूरा नगर राममय हो गओ रहो, हर गली-नुक्कड़ राम भक्ति के रंग चढ़ गओ। दोपहर के बाद भजन मंडलियों ने अपने मधुर भजनों से ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। स्थानीय कलाकारों और मंडलियों द्वारा प्रस्तुत भजनों ने कार्यक्रम को और भी भव्य बना दिया।
शाम 3.30 बजे भव्य शोभायात्रा श्री राम मंदिर से प्रारंभ हुई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची। इस शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, सुसज्जित रथ, घोड़े, और पारंपरिक वेशभूषा में कलाकारों ने भगवान श्री राम के जीवन प्रसंगों का जीवंत चित्रण किया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और आतिशबाजी ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया।
नगरवासियों ने जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया। कहीं पुष्प वर्षा की गई तो कहीं प्रसाद वितरण किया गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर वर्ग के लोगों ने इस आयोजन में बढ़-चढक़र हिस्सा लिया।
घंसौर के लोगों का कहना रहा कि ऐसो कार्यक्रम पहली बार देखन मिलो, मन खुश हो गओ, राम जी की कृपा बनी रहय।
रात्रि में महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान पूरे मंदिर परिसर में भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।
इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में श्री राम मंदिर सेवा समिति एवं नगरवासियों का विशेष योगदान रहा। कुल मिलाकर इस बार की राम नवमी घंसौर के इतिहास में एक यादगार और ऐतिहासिक आयोजन के रूप में दर्ज हो गई।

जलकर जमा नहीं करने की वजह से बाधित हुई नल-जल योजना

मीठे पानी के लिए जद्दोजहद, 1 किमी. दूर पानी लाने मजबूर महिलाएं

हरिभूमि न्यूज कटंगी। बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी की ग्राम पंचायत सोनेगांव में ग्रामीण महिलाओं को बीते कई वर्षों से हर दिन मीठे पानी के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। इस गांव में मीठे पानी का स्त्रोत नहीं होने की वजह से ग्रामीणों को और खास तौर पर घरेलू कामकाजी महिलाओं को करीब 01 किमी. की लंबी दूरी तय कर पानी जुटाना पड़ रहा है। जिससे उनका कीमती समय खर्च होता है। गांव की महिलाओं को भीषण गर्मी में एक बाल्टी, एक चंबू पानी लाने के लिए बस्ती से एक किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है। इस गांव की कुल आबादी दो अलग-अलग हिस्सों में बंटकर 1-1 किमी. दूर कुएं और हैड़पंप से पानी लाने को मजबूर है। गांव के बाहर यहीं दो ऐसे स्त्रोत है जहां मीठा पानी है। इस गांव में केन्द्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी हर-घर नल-जल योजना भी स्वीकृत हुई थी जिसका कागजों में निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है किंतु जमीन पर आज भी ग्रामीणों को शुद्ध और मीठा पानी नहीं मिल रहा है। महिलाओं ने बताया कि गांव में मीठे पानी का स्त्रोत नहीं है। गांव में हर घर नल जल योजना से भी केवल दो से चार दिन ही पानी मिला। नल-जल योजना बीते कई महीनों से बंद ही है। गांव में गर्मी के दिनों में पानी की सर्वाधिक दिक्कत जाती है। 40 डिग्री के तापमान के बीच महिलाओं को पानी जुटाना पड़ता हैं। घरों के सदस्य साइकिल, मोटरसाइकिल से पानी जुटाने का काम करते है।

महिलाओं ने बताया कि गांव में जो जलस्त्रोत है। उसके खारे पानी उपयोग दैनिक कार्यों के लिए जैसे नहाने, कपड़े और बर्तन धोने के लिए होता हैं जबकि पीने का मीठा पानी लंबी दूरी तय कर लाना पड़ता है। खारे पानी का दैनिक जरूरतों के लिए उपयोग होने से इसके कई तरह से नुकसान भी सामने आ रहे है। खासतौर पर त्वचा संबंधी परेशानी ग्रामीणों को होती है। बताना जरूरी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को जल जीवन मिशन की शुरुआत की थी। जिसका लक्ष्य ही हर घर जल था। केंद्र सरकार ने दावा किया था कि साल 2024 तक हर घर नल में जल पहुंचाया जाएगा, लेकिन इसके बावजूद 2026 में भी कई गांव के लोग पानी के लिए काफी परेशान हैं। वहीं ग्रामीणों को पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। बताना जरूरी है कि केंद्र सरकार की अतिमहत्वकांक्षी योजना हर-घर नल-जल योजना ठेकेदार और अफसरों की मिलीभगत की वजह से कथित भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। ठेकेदारों ने अधिकांश गांवों में बिना पानी के स्त्रोत की जांच किए ही पाईप लाइन का विस्तार कर दिया है। ठेकेदार ने कार्य पूर्ण कर योजना को ग्राम पंचायतों के हेड ओवर कर दिया और अब पानी का स्त्रोत नहीं होने के कारण ग्रामीणों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है।

सोनेगांव सरपंच ललीत राहंगडाले से गांव में बंद पड़ी हर घर नल जल योजना को लेकर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि करीब 02 माह तक योजना का संचालन करने के बाद वसूली नहीं हो पाई। ग्रामीणों से जब जलकर मांगा गया तो अधिकांश लोगों ने जलकर नहीं जमा किया। जिससे यह योजना ठीक तरीके से संचालित नहीं हो पा रही है। ग्रामीणों ने इस विषय को लेकर विधायक गौरव सिंह पारधी के समक्ष भी शिकायत किया था। उनके समक्ष भी यह बात रख दी गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना का संचालन तभी संभव है जब गांव के लोग नियमित तौर पर जलकर जमा करें क्योंकि इस योजना से होने वाली वसूली से ही बिजली का बिल और ऑपरेटर को मासिक भुगतान किया जाएगा।

इनका कहना है

ग्रामीणों के द्वारा जलकर जमा नहीं करने की वजह से योजना बाधित है। योजना के जरिए हर घर शुद्ध और मीठा पानी ही पहुंच रहा था।

ललित राहंगडाले सरपंच

जनपद उपाध्यक्ष ने की कार्यवाही की मांग

प्रशासकीय स्वीकृति की आड़ में सरपंच बहा रहा व्यर्थ में पानी

कलेक्टर ने जिले में बढ़ते जल संकट को देखते हुए 13 मार्च से 31 जुलाई तक बालाघाट को जल अभावग्रस्त घोषित कर रखा है।

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में पानी की किल्लत के बीच लालबर्रा के पांढरवाणी में महुआ तालाब का पानी बहाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जीर्णोद्धार के नाम पर खाली किए जा रहे इस तालाब को लेकर जनपद उपाध्यक्ष और स्थानीय लोगों ने कड़ा विरोध जताया है।

तालाब की पार (किनारा) तोड़कर और पंप लगाकर पानी बाहर निकाला जा रहा है, जिसे लेकर सरपंच पर सरकारी आदेशों की अनदेखी का आरोप लगा है।

दरअसल, कलेक्टर ने जिले में बढ़ते जल संकट को देखते हुए 13 मार्च से 31 जुलाई तक बालाघाट को जल अभावग्रस्त घोषित कर रखा है। इस दौरान बिना अनुमति के पानी के स्त्रोतों से छेड़छाड़ या पानी निकालने पर पूरी तरह रोक है।

विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि पांढरवाणी में तालाब का पानी बिना वजह बहाया जा रहा है। इससे न केवल जमीन के अंदर पानी का लेवल गिरेगा, बल्कि प्रशासन के आदेशों की भी धज्जियां उड़ रही हैं।

जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि तालाब में अभी भी 7 से 8 फीट पानी है। उन्होंने मांग की है कि क्षेत्र में पानी की कमी को देखते हुए प्रशासन के नियमों का उल्लंघन करने वाले सरपंच पर कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरी तरफ, पांढरवाणी के सरपंच अनीश खान ने इन सभी आरोपों को गलत बताया है। उनका कहना है कि ग्राम पंचायत महुआ तालाब के सुधार का काम नियमों के तहत ही कर रही है। इसके लिए जरूरी कागजी और तकनीकी मंजूरी (प्रशासकीय एवं तकनीकी स्वीकृति) पहले ही ली जा चुकी है। सरपंच के मुताबिक, विरोधियों के आरोप बेबुनियाद हैं और काम पूरी तरह वैध है।

शाबास ऐनुल, बेटी ने बढ़ाया गांव का गौरव, आठवीं कक्षा में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किये

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

'होनहार बिरवान के होत चिकने पात' की कहावत को लामता की बेटी ऐनुल शेख ने चरितार्थ कर दिखाया हैं। कक्षा आठवीं की छात्रा चांगोटोला स्थित फैंसी फ्लावर स्कूल में नियमित छात्रा हैं। बेटी बचपन से ही प्रतिभाशाली रही हैं। पिता शेख रशीद वन विभाग में वनरक्षक के पद पर पदस्थ हैं, वहीं माता शेख नाजरिन हाउस वाईफ हैं। कठिन परिश्रम और लगन से बेटी ने 97 प्रतिशत प्राप्त कर संस्था का नाम रोशन किया हैं, वहीं परिवार में भी खुशियां लाई हैं। बेटी की सफलता पर परिवार से जुड़े सदस्यों ने ऐनुल को बधाई देते हुए वेलडन ऐनुल कहा हैं। बड़े पापा शेख मंसूर, चाचा शेख शरीफ, शेख शहिद, सलीम शाह, श्रीमती जुबेदा शाह, बहन सोफिया सना तथा परिवार के सभी सदस्यों ने बधाई देते हुए बेटी के उज्जवल भविष्य की कामना की हैं। वहीं बेटी ऐनुल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरूजनों और अपने माता-पिता का मागदर्शन बताया।

वारासिवनी में राइस मिलों की जांच, सुगंधित चावल के 10 नमूने लैब भेजे गए

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के वारासिवनी क्षेत्र में चावल में सुगंध के लिए कैमिकल मिलाए जाने की शिकायत पर कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने त्वरित संज्ञान लेते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन को जांच के निर्देश दिए। इसी क्रम में 26 मार्च को खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने राजस्व विभाग के नायब तहसीलदार तीरथ अक्षरया के साथ विभिन्न राइस मिलों का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान लालबर्रा रोड स्थित श्रीनाथ राइस मिल, त्रिवेणी राइस मिल, राधावल्लभ राइस मिल, शुभम राइस मिल एवं शुभम पर्बाइलिंग मिल की बारीकी से जांच की गई। टीम को किसी भी मिल में कृत्रिम सुगंधित रसायन का उपयोग नहीं मिला। हालांकि मिलों में काली मूंछ, जय श्री राम, एचएमटी, अंबेमोर और सोनम जैसे सुगंधित चावलों का स्टॉक पाया गया।

मिल संचालकों से धान एवं चावल की खरीदी के बिलों की जांच की गई, जिसमें काली मूंछ, सामान्य धान (कॉमन पैडी) और अन्य चावलों के क्रय दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। साथ ही स्थानीय मंडी से खरीदी के प्रमाण भी मिले।

खाद्य सुरक्षा टीम ने विभिन्न मिलों से कुल 10 नमूने लेकर जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे हैं। मिल संचालकों ने बताया कि आवश्यकता अनुसार अन्य राज्यों से भी धान की खरीदी की जाती है और विभिन्न किस्म के चावल तैयार किए जाते हैं।

जांच के दौरान शिकायतकर्ता आनंद ताम्रकार भी मौजूद रहे। अधिकारियों के अनुसार, प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि चावल में किसी प्रकार का रसायन मिलाया गया है या नहीं। यदि जांच में खाद्य पदार्थ अमानक या मिलावटी पाए जाते हैं, तो संबंधित मिल संचालकों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांच की यह कार्रवाई नायब तहसीलदार तीरथ अक्षरया, खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री योगेश डोंगरे, श्री वाजिद मोहिब एवं श्रीमती गीता टांडेकर द्वारा की गई है।

सांदीपनी विद्यालय के सितारों ने किया कमाल

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

भले ही आधिकारिक तौर पर राज्य स्तरीय टॉपर लिस्ट का इंतजार है, लेकिन स्थानीय स्तर पर मेधावी छात्रों ने अपनी जगह बना ली है। बालाघाट के सांदीपनी विद्यालय (इंग्लिश मीडियम) के छात्रों ने जिले का नाम रोशन किया हैःकाव्या वंजारी ने 400 में से 368 अंक (92%) प्राप्त कर स्कूल में टॉप किया है।लिवांशी पारधी ने 367 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।वहीं चैतन्य हाड़गे और सहाना ने 334-334 अंक लाकर संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया है।इन नन्हे सितारों की सफलता पर स्कूल की क्लास टीचर आशा पालेवार और प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले ने खुशी जाहिर करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सफलता के पीछे का 'मैनेजमेंट'यह बड़ी कामयाबी महज इत्तेफाक नहीं, बल्कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की साल भर की कड़ी मेहनत का नतीजा है।

महर्षि विद्या मंदिर में मनाया वार्षिक परिणाम दिवस समारोह

उत्कृष्ट विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

महर्षि विद्या मंदिर बालाघाट में 26 मार्च को विद्यालय में वार्षिक परिणाम दिवस बड़े ही उत्साह पूर्वक व गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर कक्षा 1 से 9 एवं 11वीं के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया।जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बच्चे पुरस्कार पाकर बेहद खुश नजर आए विशेष रूप से कक्षा 11वीं में अंग्रेजी विषय में 100% अंक प्राप्त करने पर गुंजन को विशेष पारितोषिक प्रदान किया गया। इसके साथ ही, सर्वाधिक उपस्थिति एवं गणित में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता रही सभी ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर प्राचार्य सतीश कुमार चौरसिया, भावातीत ध्यान शिक्षक मनोज ज्योतिषी, वरिष्ठ शिक्षक नीरज तिवारी, अनुपमा गौतम, योगेश दुबे, धर्मेंद्र बघेल ,गणित शिक्षक प्रकाशवती दीक्षित, रितेश गुप्ता, शैलेंद्र जी, संगीत शिक्षक नितेश मिश्रा , खेल शिक्षक विजय बिलेरिया सहित समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा । विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

सांसद भारती पारधी ने संसद में उठाया बालाघाट में नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना का मुद्दा

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने शुक्रवार 27 मार्च को संसद के बजट सत्र के दौरान शून्यकाल में बालाघाट जिले में नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना का महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया।

सांसद श्रीमती पारधी ने अपने वक्तव्य में कहा कि जिले में बढ़ती जनसंख्या, सीमित सीटों एवं केंद्रीय संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों के बच्चों को प्रवेश में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए एक और केंद्रीय विद्यालय की स्थापना अत्यंत आवश्यक हो गई है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस दिशा में शीघ्र पहल करने की मांग की।

सांसद श्रीमती पारधी ने कहा कि बालाघाट जैसे विकासशील क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से न केवल विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर मिलेंगे, बल्कि क्षेत्र के समग्र शैक्षणिक स्तर में भी सुधार होगा।

उन्होंने अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि बालाघाट को शिक्षा, विकास और अवसरों के हर क्षेत्र में आगे बढ़ाना उनका लक्ष्य है, ताकि यहां के बच्चों का भविष्य उज्ज्वल और सशक्त बन सके।

इस पहल को लेकर क्षेत्र के नागरिकों एवं अभिभावकों में सकारात्मक उम्मीद जगी है और लोगों ने सांसद के प्रयास की सराहना की है।

शहर से लेकर गांवों के मंदिरों में हुई पूजा-अर्चना

उत्साह-उमंग के साथ मनाई गई रामनवमी

हरिभूमि न्यूज कटंगी। धर्म, सत्य और मर्यादा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाले भगवान श्रीराम के जन्म का उत्सव रामनवमी का पर्व समूचे क्षेत्र में बेहद उत्साह-उमंग के साथ धर्ममय वातावरण में मनाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों के राम और हनुमान मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना का क्रम शुक्रवार की सुबह से ही शुरू हो चुका था जो रात्रि तक अनवरत जारी है। नगर के बड़ा राम मंदिर में राम दरबार को खास तरीके से सुसज्जित किया गया है। यहां सुबह विशेष पूजा अर्चना कर भगवान श्रीराम का अभिषेक किया गया। मंदिर के सामने पूज्य सिंधी पंचायत और चिराग शर्मा की ओर से महाप्रसादी वितरीत की गई। इसके अलावा नगर के सभी श्रीराम मंदिरों में सुबह से भक्त प्रभु श्री राम की आराधना कर अपनी आस्था व्यक्त करते हुए नजर आए। रामनवमी की पूर्व संध्या पर नगर में श्रीराम सेना के द्वारा भव्य जुलूस निकाला गया था। जिसने पूरे शहर को भ्रमण कर सिनेमा चौक में सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस यात्रा में भगवान राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान और भगवान भोलेनाथ की झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और भजनों के साथ पूरे उत्साह से भाग लेते हैं।रामनवमी के साथ ही शुक्रवार को हिंदू धर्मप्रेमियों ने दुर्गानवमी यानी महानवमी भी मनाई। घरों में मां के नौ स्वरूपों के तौर पर कन्यापूजन कर उन्हें भोजन करवाया गया। राम मंदिरों में उपासकों ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की आराधना करते हुए सभी की मनोरथ पूर्ण करने, सभी के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की गई। रामनवमी को लेकर चारों तरफ माहौल भक्तिमय बना हुआ था। शहर की सड़कों को केसरिया रंग की तोरण से सजाया गया। ऐसे ही दृश्य ग्रामीण अंचलों में भी दिखाई दिए। श्रीराम के जन्मोत्सव का पर्व रामनवमी क्षेत्र में धूम-धाम से मनाया गया पूरी दिन चारों तरफ भक्ति के गीत बज रहे थे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रामनवमी केवल एक धार्मिक उत्सव ही नहीं, बल्कि मर्यादा, सत्य और धर्म के प्रतीक भगवान श्रीराम के आदर्शों को याद करने का अवसर भी है। इस दिन श्रद्धालु व्रत रखते हैं और पूरे दिन भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान राम की आराधना करते हैं। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखी गई भक्तों ने भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

अष्टमी के पावन अवसर पर दुर्गा मंदिर किरनापुर में पूर्ण विधिविधान से हवन कार्यक्रम एवं भंडारे का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज किरनापुर। चैत्र नवरात्रि की महा अष्टमी के पावन अवसर पर दुर्गा मंदिर किरनापुर में भक्तिमय माहौल में विशेष हवन - पूजन और भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं ने माता रानी की विशेष पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की ।कन्या पूजन के बाद भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

अष्टमी के शुभ अवसर पर मंदिरों में सुबह से ही विशेष पूजा, दुर्गा सप्तशती का पाठ और हवन का आयोजन किया गया, जिसमें माता को आहुतियां अर्पित की गई। पूजा के बाद भक्तों के लिए भंडारे (प्रसाद वितरण)का आयोजन किया गया, जहां सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं उपस्थित रहे। अष्टमी के दिन देवी दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी जिससे वातावरण भक्ति में हो गया।दुर्गा मंदिर का निर्माण और माता भगवती दुर्गा की स्थापना लगभग 26 वर्ष पूर्व स्व पूरन सिंह जी बैंस द्वारा अपने बेटे स्व सुधीर सिंह बैंस की स्मृति में करवाया गया था । आज भी बैंस परिवार अपने दायित्व का निर्वहन और पूर्ण देख रेख कर रहा है। इस वर्ष बैंस परिवार द्वारा एक निर्णय लिया कि दुर्गा मंदिर की एक समिति का निर्माण किया जाए और धर्म प्रेमी जनों को एवं प्रतिदिन मां दुर्गा की सेवा करने आने वाले भक्तों को मंदिर का सदस्य बनाकर दुर्गा मंदिर के कार्य एवं मंदिर की देख रेख का दायित्व जिम्मेदारी सौंपी जाए, जिससे मंदिर में आने वाले समय में जो भी कार्यक्रम हो भव्यता के साथ पूर्ण हो सके। श्रीमती कविता संजय सिंह बैस और उनके परिवार के इस निर्णय की सभी धर्म प्रेमी जनों ने प्रशंसा भी की।समिति के सदस्य नंदकिशोर शर्मा, संजय तारन, डॉ राजेश उपवंशी, कमलेश कनोजे, चिंटू तिवारी, पवन अग्रवाल, प्रमोद सोनी, सखाराम भूते, भोला मेढेकर,मोनू तारन, संजय सिंह बैंस, सुदीप सिंह बैस, महिला सदस्य श्रीमती कविता संजय बैंस, अनीता प्रमोद सोनी राखी योगेश अग्रवाल कमला सखाराम भूते, रोशनी मुन्ना कटारे, रानी मुन्ना कटारे, रिया सुनेरी, भारतीजांगड़े, कमलेश जांगड़े ,भूरी सब्जी वाली बाई, सविता यादव का सहयोग सराहनीय रहा। आपको बता दे की इस वर्ष दुर्गा मंदिर में दो कलश रखे गए थे पहली क्लस मां दुर्गा के नाम से समिति का और दूसरा कमलेश कन्नौजे का रखा गया आपके द्वारा पूर्ण विधि विधान से स्थापना हवन हवन का कार्य पंडित घनश्याम प्रसाद के सानिध्य में किया गया।

भक्ति शक्ति और सादगी का संगम स्वरूप नन्हीं नन्ही बैगा बेटियों का किया पूजन

हरिभूमि न्यूज उकवा।

शास्त्रों के अनुसार मां के नौ रूप केवल शक्ति का प्रतीक नहीं अपितु जीवन की बाधाओं को दूर करने वाला सरल पथ है, बेटीयो की नन्हीं सी मुस्कान में सारा संसार समाया है,बिटिया के रूप में इस नवरात्रि मा का आशीर्वाद पाया है,साक्षात देवी स्वरूपा बेटियों का आशीर्वाद प्राप्त करने उकवा की सामाजिक संस्था सर्व धर्म सेवा समिति के सदस्यों द्वारा दुर्गम पहाड़ी एवं अति तल में बसे पूर्णतः बैगा बाहुल्य ग्राम चुपका टोला जहां आज भी जाना किसी चुनौती से कम नहीं है,जहां दो पहिया या चार पहिया वाहन ऊंचे नीचे पथरीले कच्चे रास्तों से होकर पहुंचा जाता है,जहां के लोग आज भी दुनिया की चमक से दूर है,जहां अभी भी नेटवर्क नहीं है,लोग अभी भी मोबाइल से अछूते है, चैत्र नवरात्रि की अष्टमी के दिन उकवा के सर्वधर्म सेवा समिति के सदस्यों द्वारा इस स्थान में बमुश्किल पहुंचे,ग्राम तक वाहन जाना अति मुश्किल था ,इसलिए नाले के पास वाहन खड़ा कर सभी स्वयं सेवी अपने हाथों में समान लेकर पैदल गांव पहुंच संपूर्ण कार्य को पूर्ण किए,कन्या पूजन के दिन पहली बार ग्राम में ऐसा माहौल देख ग्राम के बड़े छोटे सभी लोग अत्यंत भावुक और प्रसन्न हो गए समिति सदस्यों द्वारा,ग्राम की छोटी छोटी बेटियों के चरण धो उनका तिलक वंदन कर उन्हें स्वयं के हाथों से खीर पूड़ी बना कर वितरित किया,इस अवसर पर उकवा के प्रसिद्ध कपड़ व्यवसाई संदीप साड़ी सेल के संचालक श्री खंडेलकर द्वारा सभी बेटियों को एवं ग्रामीणों को अपनी तरफ से अंग वस्त्र प्रदान किए गए,साथ ही स्वयं सेवी बहने ज्योति वरकड़े ,दीपा मेश्राम एवं संदीप गजभिए द्वार स्वयं के हाथों से बच्चों एवं ग्रामीणों के लिय खीर पूरी एवं पुलाव तैयार कर वितरण किया गया।